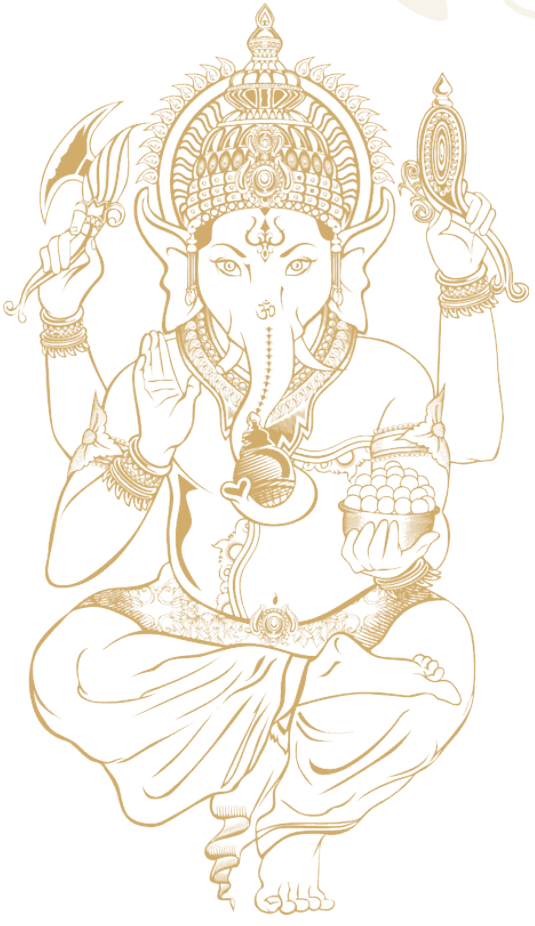

Naveen

Bhagyshree

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120964712

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/11/1991	जन्म तिथि	18-19/05/1992
गुरुवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 21:35:00	जन्म समय	00:53:00 घंटे
घटी 39:37:33	जन्म समय(घटी)	49:56:50 घटी
India	देश	India
Bhatpara	स्थान	Bikaner
22:51:00 उत्तर	अक्षांश	28:01:00 उत्तर
88:31:00 पूर्व	रेखांश	73:22:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:36:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:58	सूर्योदय	05:45:28
16:55:39	सूर्यास्त	19:20:49
23:44:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:45:18

विंशोत्तरी शनि 16वर्ष 6मा 9दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 0वर्ष 5मा 29दि
केतु	29:59:28	मिथु	लग्न	मक	26:40:28	चन्द्र
18/05/2025	20:59:59	तुला	सूर्य	वृष	04:19:41	17/11/2025
17/05/2032	05:04:11	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	29:36:35	17/11/2035
केतु 14/10/2025	21:13:20	तुला	मंगल	मीन	16:06:15	चन्द्र 17/09/2026
शुक्र 14/12/2026	10:43:48	वृश्चि	बुध	मेष	19:49:33	मंगल 18/04/2027
सूर्य 21/04/2027	16:42:54	सिंह	गुरु	सिंह	11:22:00	राहु 17/10/2028
चन्द्र 20/11/2027	04:34:45	कन्या	शुक्र	मेष	27:20:26	गुरु 16/02/2030
मंगल 17/04/2028	07:22:28	मक	शनि	मक	24:39:20	शनि 17/09/2031
राहु 05/05/2029	17:29:32	धनु व	राहु व	धनु	07:08:44	बुध 16/02/2033
गुरु 11/04/2030	17:29:32	मिथु व	केतु व	मिथु	07:08:44	केतु 17/09/2033
शनि 21/05/2031	17:05:41	धनु	हर्ष व	धनु	23:58:02	शुक्र 18/05/2035
बुध 17/05/2032	20:43:52	धनु	नेप व	धनु	24:59:29	सूर्य 17/11/2035
	26:19:23	तुला	प्लूटो व	तुला	27:37:43	

लग्न-चलित

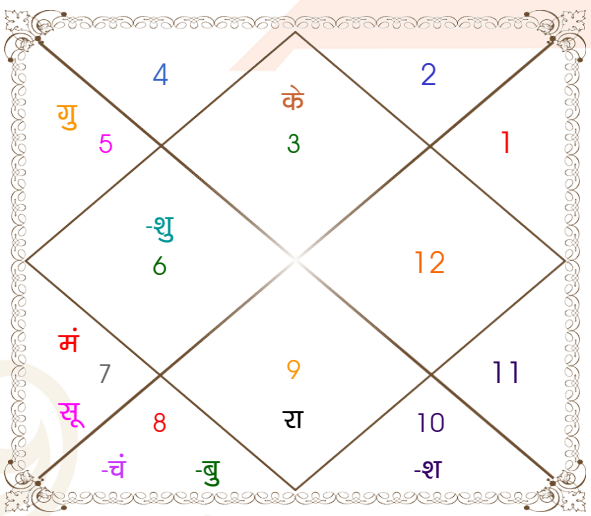

लग्न-चलित

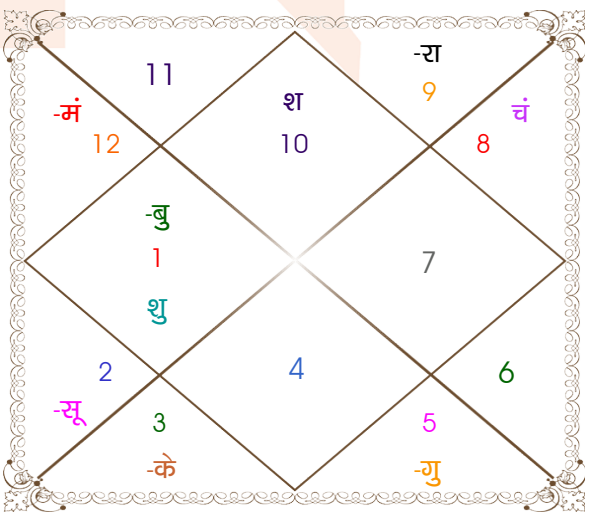

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

Naveen का वर्ग सर्प है तथा Bhagyshree का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Bhagyshree का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Bhagyshree मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Naveen तथा Bhagyshree में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।